फुल स्टॉप - 45

अव्यक्त बापदादा :- (15.11.1989)

➳ _ ➳ सभी शान्ति की शक्ति के अनुभवी बन गये हो ना! शान्ति की शक्ति बहुत सहज स्व को भी परिवर्तन करती और दूसरों को भी परिवर्तन करती है। याद के बल से विश्व को परिवर्तन करते हो। याद क्या है? शान्ति की शक्ति है ना! इससे व्यक्ति भी बदल जायेंगे तो प्रकृति भी बदल जायेगी। इतनी शान्ति की शक्ति अपने में जमा की है? व्यक्तियों को तो बदलना है ही लेकिन साथ में प्रकृति को भी बदलना है।

➳ _ ➳ प्रकृति को मुख का कोर्स तो नहीं करायेंगे ना! व्यक्तियों को तो कोर्स करा देते हो लेकिन प्रकृति को कैसे बदलेंगे? वाणी से या शान्ति की शक्ति से? योगबल से बदलेंगे ना। तो योग में जब बैठते हो तो क्या अनुभव करते हो? शान्ति का। संकल्प भी जब शान्त हो जाते हैं एक ही संकल्प - ' बाप और आप इसी को ही योग कहते हैं। अगर और भी संकल्प चलते रहेंगे तो उसको योग नहीं कहेंगे, ज्ञान का मनन कहेंगे।

➳ _ ➳ तो जब पावरफुल योग में बैठते हो तो संकल्प भी शान्त हो जाते हैं, सिवाए एक बाप और आप। बाप के मिलन की अनुभूति के सिवाए और सब संकल्प समा जाते हैं - ऐसे अनुभव है ना? समाने की शक्ति है ना या विस्तार करने की शक्ति ज़्यादा है? कई ऐसे कहते हैं ना - कि जब याद में बैठते हैं तो और-और संकल्प बहुत चलते हैं इसको क्या कहेंगे? समाने की शक्ति कम और विस्तार करने की शक्ति ज़्यादा। लेकिन दोनों शक्ति चाहिए। जब चाहें, जैसे चाहें, विस्तार में आने चाहें विस्तार में आये और समेटना चाहें तो समाने की शक्ति सेकण्ड में यूज़ कर सकें, इसको कहते हैं - ' मास्टर सर्वशक्तिवान ।

➢➢ प्रकृति को बदलने के लिए 8 शक्तियों की आवश्यकता है...

➳_ ➳ Power of yog

→ साइलेंस की, शांति की शक्ति या योग बल से प्रकृति बदलेगी...

➳_ ➳ Power of purity

→ जितनी पवित्रता बढ़ेगी, प्रकृति शुद्ध होगी...

➳_ ➳ Power of thought

→ एकाग्रता की शक्ति होगी, तो प्रकृति तुम्हारे संकल्पों को मानेगी...

→ जितना आत्मा योग युक्त होती जाएगी, प्रकृति शुद्ध होती जाएगी...

→ purification होगा और इसे संसार विनाश कहेगा...

→ और तुम्हारे लिए वो मिरुआ मौत मलूक शिकार होगा..

➳_ ➳ Power of good wishes and pure feeling

→ शुभ भावना और शुभ कामना की शक्ति

→ प्रक्रति के लिए शुभ भवन और शुभ कामना प्रकृति में परिवर्तन करेगी....

➳_ ➳ Power of वृत्ति

→ वृत्ति से वायुमंडल परिवर्तन होगा..

➳_ ➳ Power of सकाश

→ वायब्रेशन, सकाश से प्रकृति में परिवर्तन होगा...

➳_ ➳ Power of दृष्टि

→ दृष्टि की शक्ति से प्रकृति में परिवर्तन होगा...

➳_ ➳ Power of speech

→ तुम्हारा speech इतना powerful हो जायेगा, तुम जो बोलोगे उसे प्रकृति मानेगी...

- प्रकृति को भी अधीन किया जा सकता है...
- प्रकृति को भी वश में किया जा सकता है...
- प्रकृति से भी अप्रभावित बना जा सकता है...
- प्रकृतिजीत भी बना जा सकता है...
- प्रकृति को भी परिवर्तन किया जा सकता है...
- प्रकृति को भी तमोप्रधान से सतोप्रधान किया जा सकता है...
  - ये आठों शक्तियां आणविक स्तर पर काम करेगी...
  - और प्रकृति में परिवर्तन होगा...
  - क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा सभी में परिवर्तन होगा...
  - पांचो ही तत्व परिवर्तन होंगे...

➢➢ इन आठो शक्तियों से प्रकृति में परिवर्तन होहा...

➳_ ➳ Power of silence अर्थात मौन रहना...

→ शांति की शक्ति... इसका अर्थ है योग बल... चुप्पी नहीं है...

- मन का मौन, मुख का मौन के लिए बाबा मौन कहते हैं...
  - इस साइलेंस की शक्ति को बढ़ाना है....

➳_ ➳ Power of purity

→ पवित्रता की शक्ति जितनी बढ़ेगी, प्रकृति उतनी ही पवित्र होती जाएगी...

➳_ ➳ Power of thought

→ संकल्प की शक्ति

- हमारे संकल्प जितने शक्तिशाली होंगे, वे प्रकृति को प्रभावित करेंगे...
  - हम सोचेंगे ऐसा हो, वैसा होगा...
  - हम ऑर्डर करेंगे बादलों को, वे बरसने लगेंगे...

▶ हम ऑर्डर करेंगे stop तो रुक जायेंगे...

▶ सूरज, चाँद, तारों, वनस्पति पर गुप्त ही experiment करें...

▶ इसके प्रदर्शन से वह होना लोप हो जायेगा...

➳_ ➳ **Power of good wishes and pure feelings**

→ शुभ भावना शुभ कामना की शक्ति

■ बुरी भावना रखे तो बुरा होगा..

■ अच्छी भावना रखेंगे तो अच्छा होगा...

➳_ ➳ **power of वृत्ति**

→ संकल्प जितने शक्तिशाली, वृत्ति भी उतनी शक्तिशाली होगी..

■ वृत्ति समर्थ है या व्यर्थ, वृत्ति पोजिटिव है या नेगेटिव...

■ वृत्ति उपराम, निर्विकल्प है क्या...

➳_ ➳ **सकाश**

→ प्रकम्पन, किरने जो हम भेज रहे हैं...

■ हम जैसी जिसको सकाश देंगे, वो उस तक पहुंचेगी..

▶ पाँचों तत्वों को सुभ और शाम दो बार सकाश देनी है...

▶ परमधाम में बैठ कर

▶ या सूक्ष्म वतन में जाकर

▶ पांच महा खंडो, पांच महासागरों पर जाकर

▶ उनको ब्राह्मण रूप, देवता रूप में देख कर

▶ ग्लोब को हाथ में लेकर सकाश

▶ इस तन में बैठ कर

▶ कल्प वृक्ष के नीचे बैठ कर कैसे भी सकाश दी जा सकती है...

➳_ ➳ **power of दृष्टि**

→ दृष्टि मात्र से शांत किया जा सकता है...

■ दृष्टि से सृष्टि बदली जा सकती है...

▶ केवल देखा और परिवर्तन...

➳_ ➳ **power of बोल**

→ किस गहराई से वे बोल निकल रहे हैं...

➢➢ **योग और मनन में अंतर**

➳_ ➳ योग है विस्तार का सार, मनन है सार का विस्तार करना...

➳_ ➳ योग है फुल stop, मनन है क्वेश्चन मार्क... क्या, क्यों कैसे...

→ संशय वाले नहीं, ज्ञान को समझने के लिए प्रश्न...

➳_ ➳ योग है स्वयम को आत्मा समझ बाप को याद करना, मनन है स्वयम को आत्मा समझ बाप के ज्ञान को याद करना...

➳_ ➳ योग है इसेन्स, ज्ञान है सेन्स...

➳_ ➳ योग है बाप से सर्व संबंधो का अनुभव करना , मनन है बाप से सर्व संबंधों का विस्तार

➳_ ➳ योग से विकर्म विनाश होते हैं, मनन से व्यर्थ विनाश होता है...

➳_ ➳ योग से वातावरण शक्तिशाली बनता है, मनन से स्थिति शक्तिशाली बनती है...

➳_ ➳ मनन है सीढ़ी, योग है मंजिल...

➳_ ➳ योग बल से आत्मा शक्तिशाली बनती है, मनन से मन बुद्धि शक्तिशाली बनती है...

➳_ ➳ योग है निर्संकल्प, मनन है शुद्ध संकल्प...

➳_ ➳ योग का आधार है प्रभु प्रेम, मनन का आधार है ज्ञान से प्रेम...

→ मनन है मुरलीधर से प्रेम, योग का आधार है मुरली से प्रेम...

➳_ ➳ योग बीज है, मनन अर्थात वृक्ष..